Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding problem faced by traders at Nepal Border.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक अत्यंत लोक महत्व एवं अवलंबनीय और तत्कालिक प्रश्न को आपके समक्ष उठा रहा हूं । मैं चाहता हूं कि आपके माध्यम से सरकार इसे अपने संज्ञान में ले । नेपाल में भारत की सीमा 1,475 किलोमीटर मिली हुई है । एसेंशियल कमोडिटीज़ हो, वेजीटेबल्स हों, फ्रूट्स हों, इन सभी चीजों की नेपाल को भारत की तरफ से आपूर्ति की जाती है । लेकिन पिछले दिनों से लगातार एक समस्या ऐसी ज्वलंत हो गई है कि बार्डर पर नेपाल के अधिकारियों के द्वारा केमिकल, सब्जियों और फलों की चेकिंग के नाम पर कई-कई दिनों तक ट्रकों को खड़ा रखा जाता है, जिसके कारण फल और सब्जियां खराब हो जाती हैं । जबकि भारत और नेपाल के व्यापारियों के बीच में समझौता भी है, क्वारन्टीन एक्ट पर भी एग्रीमेंट हो चुका है । यह एक गंभीर समस्या है, जिसके कारण चाहे सुनौली हो या सिद्धार्थनगर, कृष्णानगर का बार्डर हो या इसी तरह से टनकपुर से रक्सौल तक के बार्डर पर ये परिस्थितियां उत्पन्न हो गई हैं । मैं चाहता हूं कि सरकार इसमें हस्तक्षेप करे और नेपाल के अधिकारियों से बात करके कम से कम उन चीजों की आपूर्ति हो ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।